प्रेसनोट दिन पाचवां १८ मार्च २०१४

समय ठहर गया, सांसे थम गई, जब कराई गई ब्रह्मांड की सैर। मन पंछी बन उड गया और लोग खोए रह गए, सभी पहुंच गए चांद सितारों के पार।
नई उंचाईयों पर पहुंचा अलविदा तनाव शिविर

ये दुनिया एक मुसाफिर खाना है। यहां कुछ समय के लिए व्यक्ति आता है और चला जाता है। पर उसने इस नश्वर संसार को ही अपना घर समझ लिया है। हम भूल ही गए है कि अपना असली घर कहां है। हम मिट्टी से खेलने लग जाते है। जबकि हमारा असली घर परमधाम है। तो आज मेडिटेशन के माध्यम से ब्र.कु. पूनम बहन ने सभी साधकों को आत्मा के असली घर परमधाम की सैर कराई। इससे सभी साधकों को असीम शान्ति का अनुभव हुआ एवं वे चांद—सितारों दूर एक शांत वातावरण में पहुंच गए।

अपनी बात को आगे बढाते हुए पूनम बहन ने कहा कि जब परिस्थितियां तुम्हारे लिए मुश्किलों के पहाड खडे करने लगे, जब हर दाव तुम्हारे विरूध्द पडने लगे, जब जीवन का आकाश काले बादलों से आच्छन्न हो जाए और तुम्हें कहीं भी प्रकाश की किरण नहीं दिखाई दे तो समझ लो तुम्हारे शौर्य और साहस के प्रदर्शन का समय आ गया है। यह बताने का समय आ गया है कि तुम किस धातु के बने हो। विपरीत परिस्थितियों में प्राप्त की गई सफलता ही मनुष्य के कौशल की कसौटी है। जब भी जीवन में ठहराव, निरसता महसूस करें, नए आयाम खोजना शुरू कर दें, बदलते समय के लिए तैयार रहे। गिरने का शोक मत कीजिए, गिरना दुर्भाग्य नहीं है। गिरकर उठने की कोशिश न करना दुर्भाग्य है।

आगे बढने के लिए जीवन में आकांक्षा एवं कामनाएं जरूरी है। जो व्यक्ति जीवन में कामनाएं रखता है वही आगे बढता है। यह ठीक है किन्तु अतिमहत्त्वाकांक्षी होना भी ठीक नहीं है। यह जीवन की खुशियों को नष्ट देती है व जीवन एक बोझ बन जाता है। उपरोक्त बात ब्र.कु. पूनम बहन ने 'अलविदा तनाव' शिविर में पांचवे दिन कही। इस मौके पर बहन ने सुखी एवं खुशहाल जीवन के लिए गीता के माध्यम से निष्काम कर्म करने की बात कही। उन्होंने कहा यह सृष्टी एक रंगमंच है और हम सभी इस पर अपनी भूमिका निभाने वाले कलाकार या एक्अर है। इस रंगमंच पर हम सभी कलाकार अपनी—अपनी भूमिकाएं निभा रहे हैं। किसी के भी अभिनय में कोई दोष नहीं है। तनाव तो तब पैदा होता है जब हम एक दूसरे के अभिनय में दोष रखते है। यदि हमें तनाव से मुक्ति पाना है तो हमें इसमें दोष देखना बंद करना होगा। तभी हमारा कर्मक्षेत्र सुखों की खान बन सकेगा। शिविर में पूनम बहन ने श्रीमद भागवत गीता के निष्काम कर्म की विस्तृत व्याख्या भी की एवं इस सृष्टी को तथा विश्व को वैरायटी वर्ल्ड बताया। उन्होंने कहा यह सृष्टी वैरायटी वर्ल्ड ड्रामा है जिसमें वैरायटी खेल है। इस खेल में वैरायटी स्वभाव, संस्कार वाली आत्माएं है। वैरायटी सीन है। इसलिए हमें इस खेल का आनंद लेना चाहिए व अपने कार्यों को खेल ही बनाना चाहिए।

कल शिविर का विशेष आकर्षण होगा ''आनंद उत्सव'' जिसमें सीधे परमात्मा से साधकों की बातें करवाई जाएगी। इसलिए पूनम बहन ने सभी को सपरिवार सहित आने का निमंत्रण दिया है।

शिविर का स्थान : भोसले गार्डन ग्राउंड, हडपसर पोस्ट ऑफिस के पीछे, हडपसर, पुणे—२८।
आयोजक : प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय
शिविर की तारीख : १४ मार्च से २५ मार्च २०१४ तक। शिविर का समय : सुबह ६.३० से सुबह ८.०० तक।
अधिक जानकारी हेतु फोन नंबर : ७७७५०२७७०४